

आरा, निज प्रतिनिधि। आरा के महाराजा कॉलेज के पीजी विभाग भूगोल की ओर से शनिवार को जबली हॉल में सत्र 2024-26 के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। सावन के सावन, यादों की बूंदें थोम पर आयोजित समारोह में सावन, हरियाली, वर्षा और स्मृतियों की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रो. कनक लता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. संजय कुमार और पीजी भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. दीपिका शेखर सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने किया।

स्वागत गीत के बाद अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत हुआ। प्राचार्या और मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए अर्जित ज्ञान एवं मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। डॉ. दीपिका शेखर सिंह सहित विभाग के शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ बितई स्मृतियां साझा कीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायन, एकल व समूह नृत्य तथा नाटक ने दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह में अग्रस्त कुमार को मिस्टर फेयरवेल और खुशी

■ सावन के सावन, यादों की बूंदें थोम पर सजा समारोह

■ अग्रस्त कुमार और खुशी मिश्रा बने मिस्टर व मिस फेयरवेल

मिश्रा को मिस फेयरवेल चुना गया। विदाई गीत की प्रस्तुति के दौरान माहौल भावुक हो गया। समारोह के अंत में सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। हरे-पीले परिधानों और सावन आधारित सजावट ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण दिया। सामूहिक फोटोग्राफ के साथ समारोह संपन्न हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए स्नेह, उत्साह और अविस्मरणीय यादों से भरा अवसर बन गया। समारोह का सांस्कृतिक पक्ष आकर्षक रहा। जितेंद्र को एकल गायन प्रस्तुति, ज्योति एवं मुशरफ को सामूहिक गायन प्रस्तुति तथा बिट्टू के नृत्य ने उपस्थित दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। प्रो. पूनम कुमारी, डॉ. रागिनी कुमारी, डॉ. मंजू कुमारी, डॉ. प्रज्ञा राय, डॉ. विशाल देव, डॉ. अरविंद कुमार सहित अन्य मौजूद थे।



माउंट लिट्टा जी विद्यालय में शनिवार को आयोजित सावन महोत्सव में रंग-बिरंग छत्ते और प्रस्तुति करते बच्चे। • हिन्दुस्तान

माउंट लिट्टा में मना सावन महोत्सव

आरा। शहर से सटे बामपाली स्थित माउंट लिट्टा जी विद्यालय के प्रांगण में शनिवार को सावन महोत्सव का भव्य आयोजन बड़े ही हवेलीलास के साथ किया गया। शुभारंभ निदेशक श्रेयांश जैन, उपाध्यक्ष सुचिता जैन, प्राचार्या डॉ. सहाय मेरी और जूनियर कॉर्डिनेटर प्रियंका दाता ने संयुक्त रूप से किया। महोत्सव में कक्षा नर्सरी से सारी तक के बच्चों ने मनमोहक नृत्य एवं मधुर संगीत की प्रस्तुतियों से उपस्थित सभी अभिभावकों एवं शिक्षकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर बच्चों की माताओं को भी आमंत्रित किया गया था। हरे रंग के परिधानों में सजी माताएं एवं बच्चे कैद मनोहारी लग रहे थे।

एसबी कॉलेज में 'नशा मुक्त भारत' अभियान

आरा। एसबी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-दो और प्रजापति ब्रह्माकुमारी इंश्यरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को कॉलेज परिसर में नशामुक्त भारत अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्राचार्या डॉ. मीना कुमारी ने कहा कि युवा देश की रीढ़ हैं और नशी से दूर रहकर ही स्वस्थ व सशक्त समाज का निर्माण संभव है। मुख्य वक्ता बीके रूपजी ने विद्यार्थियों से नशामुक्त रहने की अपील की।

गांवों में रोजगार की जरूरत : प्रो रामकृष्ण

आरा, निज प्रतिनिधि। शहर के एसबी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की ओर से शनिवार को युपी और बिहार से श्रमिकों के पलायन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह अंग्रेजी के प्रोफेसर डॉ. रामकृष्ण ठाकुर, कॉलेज की प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी और मुख्य वक्ता पीजी अंग्रेजी विभाग के डॉ. विजय राज कुमावत और विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू देवी ने संयुक्त रूप से किया। प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव पलायन की प्रमुख वजह है। कुलसचिव डॉ. राम कृष्ण ठाकुर ने कहा कि शहरों से भेजे गए पैसे से गांवों की अर्थव्यवस्था चल रही है, लेकिन इसकी कीमत कई



आरा के एसबी कॉलेज में शनिवार को आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते कुलसचिव प्रो. रामकृष्ण ठाकुर और मंचासीन अन्य अतिथि।

परिवारों को बिखराव के रूप में चुकानी पड़ रही है। गांवों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए बिना इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। मुख्य वक्ता डॉ. विजय राज कुमावत ने कहा कि श्रमिक पलायन केवल आर्थिक मजबूती नहीं, बल्कि इसके सामाजिक

वाद-विवाद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने श्रमिक पलायन के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पहलुओं पर अपने विचार रखे। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों की अतिथियों ने पुरस्कृत किया। मौके पर डॉ. मेराज दनापुरी, डॉ. गुंजन, डॉ. सहाय हुसैन, डॉ. उमेश कुमार राय, डॉ. प्रियंका भारती, डॉ. नमिता, डॉ. रीना, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. श्वेता गौरव, डॉ. संतोष कुमार राम, डॉ. आशा रानी, डॉ. अनुमिका, डॉ. प्रेमलता, डॉ. मिथिलेश कुमार मिश्र, डॉ. बिक्रमेश्वर चौधरी, डॉ. आदित्य कुमार आनंद, महाराजा कॉलेज के डॉ. अमृतांशु, डॉ. मृणुजय, डॉ. राजीव कुमार समेत शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अच्छे स्वास्थ्य का एक वादा



शोषज्ञ डॉक्टरस



हमारी प्रमुख सुविधाएं

- ✓ ICU, HDU, NICU एवं डायलिसिस की सुविधा
- ✓ आधुनिक ऑपरेशन थिएटर
- ✓ Cath lab
- ✓ डिजिटल X-RAY, CT Scan, अल्ट्रासाउंड
- ✓ पैथोलॉजी एवं डायग्नोस्टिक लैब
- ✓ 24x7 इमरजेंसी सेवा
- ✓ 24x7 एम्बुलेंस सेवा
- ✓ फार्मसी (दवाइयां 24x7 उपलब्ध)
- ✓ कैंथलेस इंश्योरेंस सुविधा
- ✓ फिलियोथेरेपी एवं पुनर्वास
- ✓ पोषण परामर्श एवं डाइट माइंडेस

यूपी-बिहार से श्रमिक पलायन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव पर व्याख्यान

4

आस/संवाददाता।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई एसबी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की ओर से शनिवार को एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'यूपी और बिहार से श्रमिकों के पलायन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव' था। व्याख्यान का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह अंग्रेजी के प्रोफेसर डॉ. राम कृष्ण ठाकुर, कॉलेज की प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी तथा मुख्य वक्ता पीजी अंग्रेजी विभाग के डॉ. विजय राज कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई। प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी ने अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश



डाला।

कहा कि जब तक यूपी-बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य

सुविधाएं नहीं मिलेंगी, तब तक इस सामाजिक संकट को रोकना असंभव है। मुख्य वक्ता डॉ. विजय राज कुमार ने

एसबी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में आयोजित हुआ एक दिवसीय कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेता हुए पुरस्कृत

ने श्रमिकों के पलायन से उत्पन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक बदलावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पलायन के कारण परिवार, समाज और स्थानीय संस्कृति पर पड़ने वाले प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि पलायन केवल एक आर्थिक विवशता नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण समाज के ताने-बाने को पूरी तरह से बदल रहा है।

कुलसचिव डॉ. राम कृष्ण ठाकुर ने भी विषय से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। कहा कि शहरों से भेजे गए पैसे से गांव चल तो रहे हैं, लेकिन इसकी कीमत

पारिवारिक विखराव के रूप में चुकानी पड़ रही है।

कार्यक्रम का मंच संचालन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू देवी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ. पंकज कुमार ने किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने श्रमिक पलायन के विभिन्न पक्षों पर अपने विचार रखे। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। मौके पर डॉ. मेराज दानापुरी, डॉ. गुंजन, डॉ.

सहाम हुसैन, डॉ. उमेश कुमार राय, डॉ. प्रियंका भारती, डॉ. नमिता, डा. रीना, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. श्वेता गोख, डॉ. संतोष कुमार राम, डॉ. आशा रानी, डॉ. अनामिका, डॉ. प्रेमलता, डॉ. मिथिलेश कुमार गिरी, डॉ. विकटेश्वर चौधरी, डॉ. आदित्य कुमार आनंद, डॉ. धनंजय प्रसाद राय, डॉ. अशोक कुमार तिवारी, डॉ. एसडी सिंह, डॉ. राकेश कुमार, महाराजा कॉलेज के डॉ. अमृतांशु, डॉ. मृत्युंजय, डॉ. राजीव कुमार, रमेश कुमार राय, सुमिर शर्मा, विकास कुमार, छात्र सचिन, नन्दनी, पुजा कुमारी, आकांक्षा कुमारी मौजूद थीं।

श्रमिकों के पलायन से बदल जाता है समाज का ताना-बाना : प्रो. कुमावत

आरा (दैनिक नवसंदेश)। एसबी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की ओर से शनिवार को एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय यूपी और बिहार से श्रमिकों के पलायन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव था। प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी ने अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कहा कि जब तक यूपी-बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलेंगी, तब तक इस सामाजिक संकट को रोकना असंभव है।

मुख्य वक्ता डॉ. विजय राज कुमावत ने श्रमिकों के पलायन से उत्पन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक बदलावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पलायन के कारण परिवार, समाज और स्थानीय संस्कृति पर पड़ने वाले प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पलायन केवल एक आर्थिक विवशता नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण समाज के ताने-बाने को पूरी तरह से बदल रहा है। कुलसचिव डी राम. ण ठाकुर ने कहा कि शहरों से भेजे गए पैसे से गांव चल तो रहे हैं, लेकिन इसकी कीमत पारिवारिक बिखराव के रूप में चुकानी पड़ रही

है। मंच संचालन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू देवी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पंकज कुमार ने



एसबी कॉलेज में यूपी-बिहार से श्रमिक पलायन पर व्याख्यान

किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया गया। मौके पर डॉ. मेराज दानापुरी, डॉ. गुंजन, डॉ. सद्दाम हुसैन, डॉ. उमेश कुमार राय, डॉ. प्रियंका भारती, डॉ. नमिता, डॉ. रीना, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. श्वेता गौरव, डॉ. संतोष कुमार राम, डॉ. आशा रानी, डॉ. अनामिका, डॉ. प्रेमलता, डॉ. मिथिलेश कुमार गिरि, डॉ. बिकटेश्वर चौधरी, डॉ. आदित्य कुमार आनंद, डॉ. धनंजय प्रसाद राय, डॉ. अशोक कुमार तिवारी, डॉ. एसडी सिंह, डॉ. राकेश कुमार, महाराजा कलेज के डॉ. अमृतांशु, डॉ. मृत्युंजय, डॉ. राजीव कुमार, रमेश कुमार राय, सुमिर शर्मा, विकास कुमार, छात्र सचिन, नन्दनी, पूजा कुमारी, आकांक्षा कुमारी मौजूद थीं।

वृद्धि के ताने पर में भी गया। स्पी के और बिंदुओं के के परिवारों के बीच RG वितरण को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में मुरा बाबा संपर्क पथ के निर्माण सहित क्षेत्र में आवश्यक अन्य विकास कार्यों को गति देने पर भी विचार किया गया। बैठक के दौरान उपस्थित किसानों ने रेल कॉरिडोर के निर्माण में प्रशासन एवं संबंधित एजेंसी को पूर्ण

आगे बढ़ाने में स्थानीय स्तर पर सहयोग मिलने की उम्मीद बड़ी है। बैठक में अपर समाहर्ता बक्सर, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी चौसा, अंचलाधिकारी चौसा, सांसद के प्रतिनिधि तथा SJVN के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ने

ना में या त्र छे त्र त छी ने के दा सी ना ही न्य छे र

।

।

नी के के ही ता



डे शों ड ता र II, के त नी

श्रमिक पलायन के सामाजिक व सांस्कृतिक प्रभाव पर व्याख्यान



राष्ट्रीय सागर संवाददाता

आरा : एसबी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में शनिवार को एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। यूपी और बिहार से श्रमिकों के पलायन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव विषय पर आयोजित व्याख्यान का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव व अंग्रेजी के प्रोफेसर डॉ. राम कृष्ण ठाकुर, कॉलेज की प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी तथा मुख्य वक्ता पीजी अंग्रेजी विभाग के डॉ. विजय राज कुमावत ने संयुक्त रूप से किया। प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी ने कहा कि जब तक यूपी-बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलेंगी, तब तक इस सामाजिक संकट को रोकना असंभव है। मुख्य वक्ता डॉ. विजय राज कुमावत ने श्रमिकों के पलायन से उत्पन्न सामाजिक, सांस्कृतिक

■ एसबी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में आयोजित हुआ एक दिवसीय कार्यक्रम

■ वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेता हुए पुरस्कृत

और आर्थिक बदलावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि पलायन केवल एक आर्थिक विवशता नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण समाज के ताने-बाने को पूरी तरह से बदल रहा है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने श्रमिक पलायन के विभिन्न पक्षों पर अपने विचार रखे। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। मौके पर डॉ. मेराज दानापुरी, डॉ. गुंजन, डॉ. सद्दाम हुसैन, डॉ. प्रियंका भारती, डॉ. नमिता, डॉ. मनीषा, डॉ. बिकटेश्वर चौधरी, डॉ. एसडी सिंह, डॉ. राकेश, सुमिर शर्मा, विकास, छात्र सचिन, नन्दनी, पूजा, आकांक्षा मौजूद थी।

स्टोर्स ई-प्रोक्यूरमेंट

निविदा सूचना सं. S/66/010/26-27; दिनांक: 06-08-2026।

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:-

क्र.सं.-1, निविदा सं. KT265775;

बंद/खुलने की तिथि: 04-09-2026

संक्षिप्त विवरण, मात्रा एवं कनसाइनी: आरडीएसओ विनिर्देशन नं. आरडीएसओ/पीई/एसपीईसी/एससी/0192-2018 (आरईवी1) के अनुलग्नक जी 1 के अनुसार एलएचबी नॉन-एसी कोचों में ऑन-बोर्ड पैनल पर 8/10 ग्राम - 1 नग और अंडरस्लंग पैनल में 100 ग्राम -1 नग के फायर सपरेशन सिस्टम कार्ट्रिज को उपलब्ध कराने के लिए इसकी आपूर्ति और स्थापना। रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देश के अनुसार, नवीनतम तापमान सेटिंग 68-72 डिग्री सेल्सियस होनी चाहिए। इस आइटम की स्थापना के लिए आवश्यक सभी संशोधन, बैंक पीस और सहायक उपकरण आपूर्तिकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। मात्रा: 25 सेट कनसाइनी-